

अंग्रेजी में स्वतंत्र लेखन को प्रोत्साहन



भारत में विद्यालय आधारित
समर्थन के माध्यम से शिक्षक
शिक्षा

www.TESS-India.edu.in



<http://creativecommons.org/licenses/>




TESS-India (स्कूल-आधारित समर्थन के जरिए अध्यापकों की शिक्षा) का उद्देश्य है छात्र-केंद्रित, सहभागी दृष्टिकोणों के विकास में शिक्षकों की सहायता के लिए मुक्त शिक्षा संसाधनों (OER) के प्रावधानों के माध्यम से भारत में प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षकों की कक्षा परिपाटियों में सुधार लाना। TESS-India OER शिक्षकों को स्कूल की पाठ्यपुस्तक के लिए सहायक पुस्तिका प्रदान करते हैं। वे शिक्षकों के लिए अपनी कक्षाओं में अपने विद्यार्थियों के साथ प्रयोग करने के लिए गतिविधियाँ प्रदान करते हैं, जिनमें यह दर्शाने वाले केस स्टडी भी शामिल रहते हैं कि अन्य शिक्षकों द्वारा उस विषय को कैसे पढ़ाया गया, और उनमें शिक्षकों के लिए अपनी पाठ योजनाएँ तैयार करने के लिए तथा विषय संबंधी ज्ञान के विकास में सहायक संसाधन भी जुड़े रहते हैं।

TESS-India OER को भारतीय पाठ्यक्रम और संदर्भों के अनुकूल भारतीय तथा अंतर्राष्ट्रीय लेखकों के सहयोग से तैयार किया गया है और ये ऑनलाइन तथा प्रिंट उपयोग के लिए उपलब्ध हैं (<http://www.tess-india.edu.in>)। OER भाग लेने वाले प्रत्येक भारतीय राज्य के लिए उपयुक्त, कई संस्करणों में उपलब्ध हैं और उपयोगकर्ताओं को इन्हें अपनाने तथा अपनी स्थानीय जरूरतों एवं संदर्भों की पूर्ति के लिए उनका अनुकूलन करने के लिए और स्थानीयकरण करने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

TESS-India मुक्त विश्वविद्यालय, ब्रिटेन के नेतृत्व में तथा ब्रिटेन की सरकार द्वारा वित्त-पोषित है।

वीडियो संसाधन

इस इकाई में कुछ गतिविधियों के साथ निम्नलिखित आइकॉन दिया गया है:  यह दर्शाता है कि आपको विशिष्ट शैक्षणिक थीम के लिए TESS-India के वीडियो संसाधनों को देखने में इससे मदद मिलेगी।

TESS-India के वीडियो संसाधन भारत में विभिन्न प्रकार की कक्षाओं के संदर्भ में प्रमुख शैक्षणिक तकनीकों का सचित्र वर्णन करते हैं। हमें उम्मीद है कि वे आपको इसी तरह के अभ्यासों के साथ प्रयोग करने के लिए प्रेरित करेंगे। इन्हें पाठ-आधारित इकाइयों के माध्यम से आपके कार्य अनुभव में इज़ाफ़ा करने और बढ़ाने के लिए रखा गया है, लेकिन अगर आप उन तक पहुँच बनाने में असमर्थ रहते हैं तो बता दें कि वे उनके साथ एकीकृत नहीं हैं।

TESS-India के वीडियो संसाधनों को TESS-India की वेबसाइट <http://www.tess-india.edu.in/> पर ऑनलाइन देखा सकता है या डाउनलोड किया जा सकता है। विकल्प के तौर पर, आप इन वीडियो तक सीडी या मेमोरी कार्ड द्वारा भी पहुँच बना सकते हैं।

संस्करण 2.0 SE06v1
Uttar Pradesh

तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरएलाइक लाइसेंस के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है:
<http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/>

TESS-India is led by The Open University UK and funded by UK aid from the UK government

यह इकाई किस बारे में है



मेरे विद्यार्थियों से माध्यमिक स्तर पर अंग्रेजी में लिखने में सक्षम होने की अपेक्षा की जाती है। हम जो लेखन गतिविधियाँ करते हैं उनमें से अधिकांश में उनके द्वारा ब्लैकबोर्ड से उत्तरों की नकल करना या निबंधों और अन्य रचनाओं को याद करना शामिल होता है। अंग्रेजी में अपने आप लिखने में मैं उनकी मदद कैसे कर सकती हूँ?

माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों से विभिन्न पाठों को अंग्रेजी में लिखने की अपेक्षा की जाती है। इसमें सीखे जाने वाले शब्दों; व्याकरण संबंधी नोट्स, या बोध संबंधी प्रश्नों के उत्तरों जैसे वाक्यों; से लेकर अधिक लंबे पाठ, रचनाएं, कहानियाँ, पत्र, रिपोर्टें, आवेदन पत्र इत्यादि शामिल हो सकते हैं। इस प्रकार के पाठों में विद्यार्थियों को स्वयं के विचारों और भाषा का उपयोग करते हुए लेखन के माध्यम से स्वयं को व्यक्त कर पाना आवश्यक होना चाहिए। तथापि, विद्यार्थी जो कुछ लिखते हैं वह प्रायः पाठ्यपुस्तक या ब्लैकबोर्ड से नकल किया जाता है, अथवा वे बोलकर लिखवाए गए या याद किए गए उत्तर लिख देते हैं। अधिकांश विद्यार्थी पाठों की रचना स्वयं नहीं करते हैं।

यद्यपि इस नकल और याद करने से कुछ विद्यार्थियों को परीक्षा में मदद मिल सकती है, परन्तु उन्हें उन कौशलों को विकसित करने में मदद नहीं मिलती है जिनकी उन्हें असली जीवन के प्रयोजनों के लिए स्वतंत्र रूप से अंग्रेजी में लिखने के लिए जरूरत पड़ती है। स्वतंत्र रूप से लिखने में आपके विद्यार्थियों द्वारा किसी बात को सूचित करने के लिए अपने विचारों और अपनी भाषा का उपयोग करना शामिल होता है। यह एक ऐसा कौशल है जो उनके भविष्य के निजी और व्यावसायिक जीवन के लिए उपयोगी होगा। इसके अलावा, भावनाओं और विचारों के बारे में लिखने से आपके विद्यार्थियों को आलोचनात्मक और कल्पनाशील ढंग से सोचने का अवसर मिलता है। विद्यार्थी स्वतंत्र रूप से लिखने के कौशलों और आत्मविश्वास को विकसित करेंगे यदि उन्हें अपने विचारों के बारे में बात करने और उनके बारे में बोलने तथा लिखने का अभ्यास करने के बहुत सारे अवसर मिलें। उनका 'अच्छी' भाषा के उदाहरणों को देखना – और उनकी नकल करना – पर्याप्त नहीं है। स्वयं को व्यक्त करने का प्रयास करके विद्यार्थी बेहतर लेखक भी बन सकते हैं।

यह इकाई दो कार्यनीतियों का अध्ययन करती है जिनका उपयोग आप अपने विद्यार्थियों को नकल करने और याद करने से हटकर स्वयं के लेखों की रचना करने में मदद करने के लिए सकते हैं:

- चुने गए विषय पर विद्यार्थियों की बातचीत को सुगम बनाना। एक दूसरे से और आपसे बातचीत करके विद्यार्थी अपने विचारों को साझा और विकसित करते हैं। इससे उन्हें अपने विचारों को लिखकर व्यक्त करने के लिए भाषा का अभ्यास करने और प्रयोग करने का भी अवसर मिलता है।
- विद्यार्थियों को स्वतंत्र रूप से लिखने के अध्यापन में उन्हें ऐसी भाषा सुलभ कराना शामिल होता है जिसके आधार पर वे अपने लेखन को विकसित सकते हैं।

जब विद्यार्थी स्वतंत्र रूप से लिखते हैं, तो उनसे गलतियाँ होती हैं। यह भाषा सीखने की प्रक्रिया का सामान्य भाग है। गलतियों को देखकर और उन्हें रिकार्ड करके, आप अपनी सकारात्मक और प्रोत्साहक प्रतिक्रिया के माध्यम से विद्यार्थियों के सीखने की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी ढंग से निर्देशित कर सकते हैं।

आप इस इकाई में क्या सीख सकते हैं

- विद्यार्थियों के लेखन के विकास में सहायता के लिए विद्यार्थियों की बातचीत को सुगम बनाना।
- विद्यार्थियों के लेखन के लिए प्रतिमान सुलभ कराना।
- आपके विद्यार्थियों के लेखन कार्य में सुधार करने के उपाय।

1 विद्यार्थी लेखन में सहायता के लिए चर्चा का उपयोग करना

विद्यार्थियों से अंग्रेजी के किसी अध्याय या गद्यांश के बारे में बोध संबंधी प्रश्नों के उत्तर लिखने की अपेक्षा की जाती है जैसा निम्नलिखित उदाहरण में दर्शाया गया है।

कक्षा 8 के विद्यार्थी NCERT की पाठ्यपुस्तक Honeydew से लिए गए पाठ 'The Summit Within' का अध्ययन करते हैं जो एवरेस्ट पर्वत के शीर्ष पर पहुँचने वाले किसी व्यक्ति के बारे में है। पाठ को पढ़ने के बाद, उनसे निम्न प्रश्नों का उत्तर देने की अपेक्षा की जाती है:

Answer the following questions:

- (i) What are the three qualities that played a major role in the author's climb?
- (ii) Why is adventure, which is risky, also pleasurable?
- (iii) What was it about Mount Everest that the author found irresistible?
- (iv) One does not do it (climb a high peak) for fame alone. What does one do it for, really?
- (v) 'He becomes conscious in a special manner of his own smallness in this large universe.' This awareness defines an emotion mentioned in the first paragraph. What is this emotion?
- (vi) What were the 'symbols of reverence' left by members of the team on Everest?
- (vii) What, according to the writer, did his experience as an 'Everester' teach him?



विचार के लिए रुकें

- क्या आपने यह अध्याय पढ़ाया है? यदि हाँ, तो क्या आपने इन प्रश्नों का उत्तर देने में अपने विद्यार्थियों की मदद की है? यदि आपने अध्याय नहीं पढ़ाया है, तो प्रश्नों का उत्तर अपने शब्दों में देने में आप विद्यार्थियों की मदद कैसे करेंगे?
- कुछ शिक्षक विद्यार्थियों से उत्तरों की नकल ब्लैकबोर्ड से करने को कहते हैं। लेकिन जब विद्यार्थी ऐसा करते हैं, तो यह जानना कठिन होता है कि उन्होंने प्रश्न या पाठ को समझ लिया है या नहीं। केवल इसलिए कि विद्यार्थी वाक्यों या अनुच्छेदों की नकल कर सकते हैं, इसका मतलब यह नहीं होता कि वे जो लिख रहे हैं उसे समझते हैं। साथ ही, नकल करते समय, विद्यार्थी अंग्रेजी का अधिक अभ्यास नहीं करते हैं। इससे उनकी वर्तनी (स्पेलिंग) सुधारने में मदद मिल सकती है, किंतु वे इस बारे में नहीं सोचते हैं कि भाषा कैसे काम करती है। यदि विद्यार्थी स्वयं अपने वाक्य और पाठ लिखते हैं, तो उन्हें व्याकरण – कालों और संरचनाओं – और शब्दावली के बारे में सोचना पड़ेगा। वे जो कुछ कहना चाहते हैं उसके अर्थ पर ध्यान केंद्रित करते हैं, और इससे भाषा का स्वतंत्र रूप से उपयोग करने में सक्षम होने में उन्हें सहायता मिलती है।

इस तरह के प्रश्नों के प्रति अपने उत्तर लिखने में विद्यार्थियों की मदद करने का एक तरीका है उन्हें प्रश्नों पर चर्चा करने देना। जब आप अपने विद्यार्थियों को इससे पहले कि वे उत्तर लिखें, जोड़ियों या समूहों में प्रश्नों पर चर्चा करने के लिए समय देते हैं, तो उन्हें, एक दूसरे से सीखते हुए, एक दूसरे को वह समझाना होता है कि उन्होंने क्या सीखा बातचीत करने और सोचने के लिए समय की उपलब्धि और सहपाठियों के साथ चर्चा करने से आपके विद्यार्थियों को स्वतंत्र रूप से वाक्य लिखने के लिए पहले कदम उठाने में मदद मिल सकती है।



वीडियो: सीखने के लिए बातचीत

2 समूहकार्य के माध्यम से विचारों पर चर्चा करना

यदि विद्यार्थी अपने आप लिखने के आदी नहीं हैं तो उनसे ऐसा करने को कहना काफी बड़ा कदम हो सकता है। लेकिन छोटे समूहों में काम करके, विद्यार्थी पाठ को समझने, अपने विचारों को विकसित करने और भाषा का अभ्यास करने में एक दूसरे की सहायता कर सकते हैं जिसका उपयोग वे फिर अपने लिखित उत्तरों में कर सकते हैं।

गतिविधि 1: कक्षा में आजमाएं – पाठ्यपुस्तक के प्रश्नों का उत्तर समूहों में देना

NCERT की पाठ्यपुस्तक Honey dew से लिए गए पाठ 'The Summit Within' के गद्यांश में विद्यार्थियों से कई बोध संबंधी प्रश्नों के उत्तर अंग्रेजी में देने की अपेक्षा की जाती है।

अगली बार जब आप इस तरह की गतिविधि वाला कोई अध्याय पढ़ाएं, तब अपने विद्यार्थियों से अध्याय के अंत में बोध संबंधी प्रश्नों का उत्तर समूहों में देने को कहें। इससे उन्हें एक दूसरे के साथ विचारों को विकसित करने और प्रश्नों का मिलकर उत्तर देने के लिए भाषा खोजने का अवसर मिलेगा।

1. कक्षा में, विद्यार्थियों को चार के समूहों में बाँटें। यदि वे बेंचों पर बैठे हैं, तो पहली बेंच के विद्यार्थियों को पीछे की ओर घूमने को कहें ताकि वे दूसरी बेंच पर बैठे विद्यार्थियों के सम्मुख हो जायें। ऐसा ही अन्य पंक्तियों के साथ दोहराएं ताकि बिना अधिक शोर के समूह बन जाएं। प्रत्येक समूह से एक

विद्यार्थी को 'सेक्रेटरी' बनने के लिए कहें जो उत्तर लिखता है। समूहकार्य के विषय में अधिक जानने के लिए देखें संसाधन 1 देखें।

- विद्यार्थियों से प्रश्नों के प्रति अपने उत्तरों पर चर्चा करने और उन्हें लिखने को कहें। उन्हें बताएं कि उन्हें अध्याय से सीधे वाक्यों की नकल नहीं करनी चाहिए। इस काम के लिए उन्हें एक समय सीमा दें (उदाहरण के लिए, दस मिनट)।
- समूहों के आस-पास घूमें और उनके काम की निगरानी करें। इससे सुनिश्चित होता है कि विद्यार्थी समझें कि वे क्या कर रहे हैं, और समस्याओं पर चर्चा करने में अधिक आश्वस्त महसूस करें। सुनिश्चित करें कि सभी विद्यार्थियों को चर्चा में योगदान करने का अवसर मिले।
- जब वे काम पूरा कर लें, तब दो या तीन समूहों से एक प्रतिनिधि से उत्तर को ऊँची आवाज में पढ़ने को कहें। सम्पूर्ण कक्षा के साथ उत्तरों पर, और उन्हें कैसे सुधारा जा सकता है, इस बात पर चर्चा करें। यदि संभव हो, तो प्रत्येक समूह के प्रश्नों और उत्तरों की जाँच करें।

वीडियो: समूहकार्य का उपयोग करना



विचार के लिए रुकें

- इस गतिविधि को आजमाने के बाद आपके सोचने के लिए यहाँ एक प्रश्न है। यदि संभव हो, तो किसी सहकर्मी के साथ इस प्रश्न पर चर्चा करें।

पाठ के बाद, अपने विद्यार्थियों की सीखने की प्रक्रिया के बारे में सोचें। क्या वह गतिविधि विद्यार्थियों को सीखी गयी बातों को एक दूसरे को बताने में संलग्न रखती है ?

पाठ्यपुस्तक के गद्यांशों के बारे में प्रश्नों का उत्तर देने के लिए विद्यार्थियों से मिलकर काम कराने से उन्हें इन प्रश्नों के लिए उत्तर लिखने के कौशलों और आत्मविश्वास का निर्माण करने में मदद मिल सकती है। विद्यार्थियों की समझ को आगे बढ़ाने का एक तरीका है उनसे पाठ के बारे में स्वयं अपने बोध संबंधी प्रश्नों की रचना करने को कहना।

गतिविधि 2: कक्षा में आजमाएं – पाठ के बारे में प्रश्न और उत्तर लिखने में विद्यार्थियों की मदद करना

आप इस गतिविधि को किसी भी अध्याय या गद्यांश, और किसी भी कक्षा के साथ आजमा सकते हैं।

- गतिविधि 1 की तरह समूहकार्य को स्थापित करें।
- अलग अलग समूहों से पाठ के अलग अलग अनुच्छेद पढ़ने को कहें। उदाहरण के लिए, समूह 1 पहले दो अनुच्छेदों को देख सकता है; समूह 2 तीसरे और चौथे अनुच्छेद पढ़ सकता है; इत्यादि। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता यदि कई समूह समान अनुच्छेदों को देख रहे हैं।
- प्रत्येक समूह से उनके द्वारा पढ़े गए पाठ के खंड के बारे में तीन प्रश्न लिखने को कहें – इन प्रश्नों को पाठ के बारे में विद्यार्थियों की समझ की परख करनी चाहिए। समूहों में काम शुरू करने से पहले सारी कक्षा को आपके वाँछित प्रश्नों के प्रकार के कुछ उदाहरण दें। गतिविधि के लिए समय सीमा दें (उदाहरण के लिए, दस मिनट)।
- विद्यार्थियों से अपने प्रश्नों और उन प्रश्नों के सही उत्तरों पर चर्चा करने को कहें। समूह के सेक्रेटरी से ये प्रश्न और उत्तर लिखवाएं।
- जब विद्यार्थी अपने प्रश्न लिखना समाप्त कर लें, तब समूहों से अपने प्रश्नों की अदलाबदली करने को कहें, ताकि हर समूह को उनके द्वारा लिखे गए प्रश्नों से अलग प्रश्नों का सेट मिले।
- विद्यार्थियों से चर्चा करने और प्रश्नों के उत्तर लिखने को कहें। उन्हें बताएं कि उन्हें पाठ्यपुस्तक से उत्तरों की नकल नहीं करनी चाहिए। एक बार फिर, उन्हें समय सीमा दें।
- समूहों के इर्दगिर्द घूमें और उनके काम की निगरानी करें। इससे सुनिश्चित होता है कि विद्यार्थी समझते हैं कि वे क्या कर रहे हैं और समस्याओं पर चर्चा करने के बारे में अधिक आश्वस्त महसूस करते हैं।
- दो या तीन समूहों से एक या दो प्रश्नों और उत्तरों को ऊँची आवाज में पढ़ने को कहें; उत्तरों पर, और उन्हें कैसे सुधारा जा सकता है, इस बात पर चर्चा करें। यदि संभव हो, तो प्रत्येक समूह के प्रश्नों और उत्तरों की जाँच करें।



विचार के लिए रुकें

- यहाँ इस गतिविधि को आजमाने के बाद आपके विचार करने के लिए कुछ प्रश्न दिए गए हैं। यदि संभव हो, तो इन प्रश्नों किसी सहकर्मी के साथ चर्चा करें।
- पाठ के बाद, अपने विद्यार्थियों की सीखने की प्रक्रिया के बारे में सोचें। क्या कुछ ऐसे समूह थे जिन्हें प्रश्न लिखना कठिन लगा? अगली बार जब आप यह अभ्यास करेंगे तब आप उनकी मदद कैसे करेंगे?

ऐसे तरीके उपलब्ध हैं जिनसे आप अपने विद्यार्थियों को उनके उत्तर लिखने के लिए आवश्यक कुछ भाषा उन्हें देकर उनकी मदद कर सकते हैं। आप निम्नलिखित केस स्टडी में इसके बारे में अधिक जानेंगे।

केस स्टडी 1: श्री सिंह बोध संबंधी प्रश्नों के साथ छात्रों की चर्चा का उपयोग करते हैं।

श्री सिंह कक्षा 8 को अंग्रेजी पढ़ाते हैं। हाल ही में उन्होंने अध्याय से नकल किए बिना बोध संबंधी प्रश्नों के उत्तर देने में अपने विद्यार्थियों की मदद करने की तकनीक आजमाई, और इसमें उनके विद्यार्थियों से समूहों में काम करवाना शामिल था। वह अध्याय 'The Summit Within' जो कि NCERT की कक्षा 8 की पाठ्य पुस्तक Honeydew से लिया गया था।

एक पठन-पूर्व अभ्यास करने के बाद, हमने गद्यांश 'The Summit Within' मिलकर पढ़ा। जब हमने काम समाप्त किया, मैंने पहले विद्यार्थियों से पूछा कि पाठ किस बारे में था ताकि इस बात की सामान्य जानकारी हो सके कि उन्होंने पाठ समझा था या नहीं। फिर मैं पठनोपरान्त गतिविधि की ओर बढ़ा, जिसमें अध्याय के अंत के बोध संबंधी प्रश्नों का उत्तर देना शामिल था। मैंने तय किया कि पहले प्रश्न का उत्तर हम सब मिलकर एक कक्षा के रूप में देंगे।

मैंने अपने विद्यार्थियों से पहला बोध संबंधी प्रश्न पढ़ने को कहा: 'What are the three qualities that played a major role in the author's climb?' मैंने उनसे प्रश्न का अनुवाद करने को कहकर सुनिश्चित किया कि वे उसे समझ सकते थे। फिर मैंने अपने विद्यार्थियों को उत्तर शुरू करने के लिए उपयोगी वाक्यांशों की एक सूची दी, जैसे: 'The three qualities that played a major role are ...'.

मैंने उनसे पहला अनुच्छेद पढ़ने और उन वाक्यों को रेखांकित करने को कहा जिनमें उत्तर मौजूद था। विद्यार्थियों ने निम्नलिखित को रेखांकित किया:

The simplest answer would be, as others have said, 'Because it is there.' It presents great difficulties. Man takes delight in overcoming obstacles. The obstacles in climbing a mountain are physical. A climb to a summit means endurance, persistence and will power.

मैंने उनसे ठीक उन्हीं शब्दों को ढूंढने को कहा जो उन तीन गुणों का वर्णन करते थे। अधिकांश विद्यार्थियों ने उत्तर दिया 'endurance', 'persistence' और 'will power', लेकिन कुछ ने मुझसे पूछा कि क्या 'overcoming obstacles' एक और महत्वपूर्ण बिंदु नहीं था।

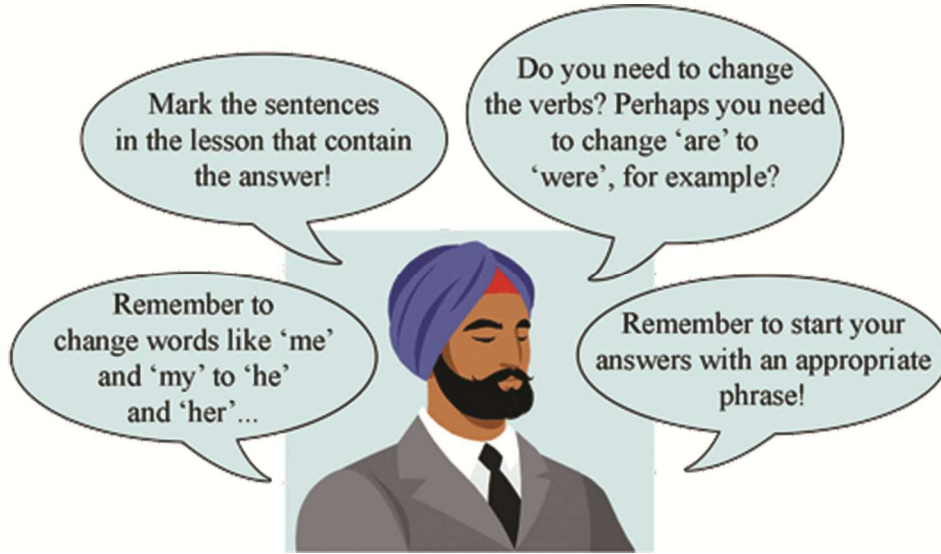
मैं खुश था कि विद्यार्थी अपनी खोज को उन सबसे उपयुक्त शब्दों तक सीमित कर सके जो प्रश्न का उत्तर दे सकते थे। तब मैंने उनसे तीन गुणों की उनकी सूची में 'overcoming obstacles' को शामिल करने का तरीका खोज निकालने को कहा।

मैंने उन्हें दिखाया कि बिंदुओं को संगठित करके एक सही आरंभ और अंत वाला उपयुक्त उत्तर कैसे प्राप्त करना चाहिए। मैंने यह भी सुनिश्चित किया कि वे उत्तर लिखते समय क्रिया के काल में परिवर्तन को भी नोट करें: 'are' बदल कर 'were' हो जाएगा, इत्यादि। वाक्यों में आवश्यक परिवर्तन करने के बाद, उन्हें जो प्राप्त हुआ वह यह है:

The three qualities that played a major role in the author's climb were endurance, persistence and will power for overcoming obstacles.

मैंने उन्हें उसी उत्तर को लिखने के अन्य तरीके दिखाए, जैसे:

Endurance, persistence and will power for overcoming obstacles were the three qualities that played a major role in the author's climb.



मैं चाहता था कि कक्षा शेष प्रश्नों के उत्तर समूहों में दे। मैंने कक्षा से चार के समूहों में काम करने, और मिलकर काम करके शेष प्रश्नों के उत्तरों की रचना करने को कहा। मैंने उनके उत्तरों में उपयोग करने के लिए उन्हें अध्याय से कुछ शब्द और वाक्यांश दिए। लेकिन मैंने उन्हें याद दिलाया कि उन्हें उनके अपने

शब्दों का उपयोग करना चाहिए, और सीधे अध्याय से वाक्यों की नकल नहीं करनी चाहिए। मैंने उन्हें अपने उत्तर लिखने के लिए कुछ समय दिया, और कमरे में घूमते हुए यदि किसी विद्यार्थी को जरूरत हुई तो उसकी मदद की।

जब समय समाप्त हो गया, तो मैंने किसी अलग समूह से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर देने को कहा। समूह ने जो उत्तर दिया मैंने उसे ब्लैकबोर्ड पर लिखा और हमने चर्चा की कि वह प्रश्न का उत्तर है या नहीं, और क्या समूह ने अपने उत्तरों को पूरा करने के लिए पाठ से लिए गए अपने लिए जरूरी महत्वपूर्ण शब्दों और वाक्यांशों के अलावा स्वयं अपने शब्दों का उपयोग किया था या नहीं। समूह द्वारा की गई किसी भी गलती को भी मैंने सुधारा।

कक्षा के समाप्त होने तक, मेरे विद्यार्थी प्रश्नों का उत्तर देने का काम बेहतर ढंग से करने लगे थे। मैंने वास्तव में देखा कि चर्चा और उत्तरों के साथ जरा सी मदद से, विद्यार्थी गतिविधि को करने में काफी अधिक सक्षम हो गए थे, और उन्हें अपने आप पर भी विश्वास होने लगा था।

3 भाषा का प्रतिमान बनाकर स्वतंत्र रूप से लिखने में छात्रों की सहायता करना।

केस स्टडी 1 में, शिक्षक ने उत्तर का प्रतिमान देकर और विद्यार्थियों को उनके उत्तरों की रचना करने के लिए आवश्यक कुछ भाषा देकर पाठ के बारे में प्रश्नों के उत्तर लिखने में विद्यार्थियों की मदद की। विद्यार्थियों को प्रतिमान या लिखने के ढाँचे देने से उन्हें स्वतंत्र रूप से लिखने के लिए जरूरी कौशलों का धीरे-धीरे विकास करने में मदद मिलती है।

यहाँ कुछ अलग अलग तरीके दिए गए हैं जिनसे आप मदद प्रदान कर सकते हैं:

- **Missing शब्द:** ऐसा पाठ प्रदान करें जिसमें से शब्द या वाक्य गायब हों, और जिन्हें विद्यार्थियों को स्वयं पूरा करना है। ऐसे शब्दों या लघु गद्यांशों को छोड़ दें जिन्हें विद्यार्थी किसी पढ़ने के लिए दिए गए गद्यांश में खोज सकते हैं। इससे विद्यार्थियों को बहुत सहायता मिलती है, और यह सुविख्यात कहानियों या अध्याय के सारांशों के साथ उपयोगी होता है, उदाहरण के लिए:

Anne Frank had a father, a mother and _____. She was born in _____ in _____.
The family emigrated to _____, and she went to _____.

- **प्रतिमान:** कोई पूरा पाठ प्रदान करें जिसे विद्यार्थी अपने स्वयं के संदर्भों के अनुसार बदल सकते हैं। उदाहरण के लिए, अपनी माँ या पिता का विवरण दें, और विद्यार्थियों से उनकी माँ या पिता का वर्णन करने के लिए मुख्य शब्दों को बदलने को कहें। जो विद्यार्थी लिखने में अधिक आश्वस्त हों वे अधिक परिवर्तन कर सकते हैं और अपनी स्वयं की भाषा का अधिक उपयोग कर सकते हैं।
- **लिखने के ढाँचे:** पाठ्यवस्तु का कोई ऐसा लिखित ढाँचा प्रदान करें जो विद्यार्थियों को अनुसरण करने के लिए एक संरचना देता है: उदाहरण के लिए, कोई औपचारिक पत्र। आप विद्यार्थियों को अधिक जानकारी देकर उनकी अधिक सहायता कर सकते हैं: वाक्य, वाक्यों के संकेत, महत्वपूर्ण

शब्दावली इत्यादि। जब विद्यार्थी औपचारिक पत्र लिखने से अधिक परिचित हो जाएं, तो आप उनकी सहायता को कम कर सकते हैं (नमूना लेखन ढाँचे के लिए देखें संसाधन 2)।

अब इस बारे में पढ़ें कि एक शिक्षक अगली केस स्टडी में 'Missing शब्द' तकनीक का उपयोग कैसे करता है।

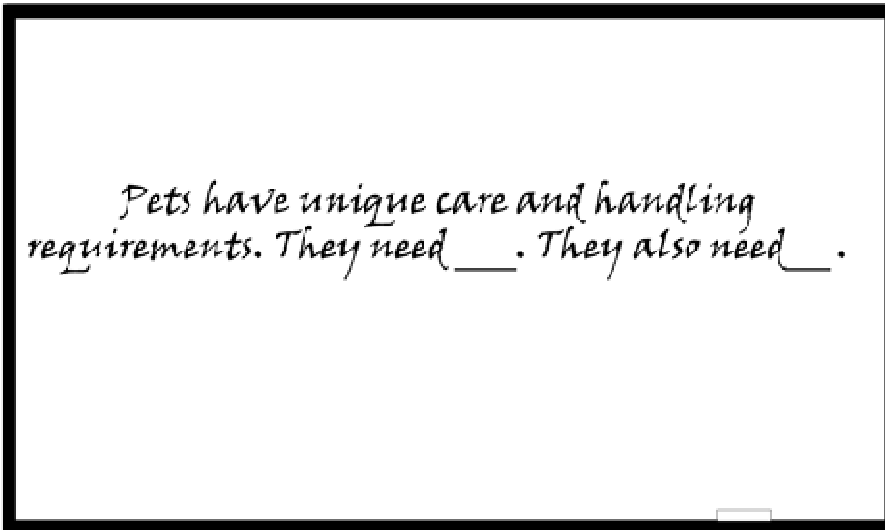
केस स्टडी 2: श्रीमती मिश्रा लंबी पाठ्यवस्तु को लिखने में अपने छात्रों की सहायता करती हैं

श्रीमती मिश्रा कक्षा 9 को अंग्रेजी पढ़ाती हैं। उन्होंने हाल ही में अंग्रेजी में स्वतंत्र रूप से लिखने में अपने विद्यार्थियों की मदद करने के लिए एक गतिविधि का प्रयोग किया जिसमें उन्होंने अध्याय के अंत में एक लेखन गतिविधि करने के लिए जरूरी भाषा देकर उनकी सहायता की।

उस अध्याय के अंत में जिसका हम अध्ययन कर रहे थे (NCERT Class IX textbook *Beehive*), मैं एक लेखन कार्य था:

Pets have unique care and handling requirements and should only be kept by those with the commitment to understand and meet their needs. Give your argument *in support of or against* this statement.

मैं जानती थी कि मेरे अधिकतर विद्यार्थियों के लिए यह अनुच्छेद लिखना बहुत कठिन होगा – सबसे पहले तो, उन्हें यह भी पता नहीं होगा कि क्या कहें! इसलिए मैंने अपने विद्यार्थियों से इस बात पर चर्चा करते हुए कुछ मिनट बिताने को कहा कि पालतू जानवरों की जरूरतें क्या होती हैं। इससे उन्हें इस बारे में कुछ विचार उत्पन्न करने का मौका मिला कि वे क्या लिखना चाहते हैं। जब वे बात कर रहे थे, तब मैंने बोर्ड पर निम्नलिखित वाक्य लिखे:



यह काम पूरा कर लेने के बाद, मैंने विद्यार्थियों से कुछ सुझाव देने को कहा। कुछ विद्यार्थियों ने अपने हाथ उठाए और सुझाव दिया कि जानवरों को भोजन, पानी और यदि वे बीमार हों तो उनकी देखभाल करने वाले किसी व्यक्ति की जरूरत पड़ती है। तब मैंने बोर्ड पर कुछ और वाक्य लिखे।

Pets have unique care and handling requirements. They need _____. They also need ____.

In my opinion, people who can't meet these needs should/should not be allowed to keep them.

मैंने अपनी कक्षा से कहा कि जो ये सोचते हैं कि ऐसे लोग जो पालतू जानवरों की जरूरतें पूरी नहीं कर सकते उन्हें भी जानवर पालने की अनुमति होनी चाहिए, वे अपने हाथ खड़े करें। कुछ ही विद्यार्थियों ने अपने हाथ उठाए - बस कुछ ही। मैंने प्रजित से पूछा वह ऐसा क्यों सोचता है। उसने कहा शायद लोग सभी जरूरतें पूरी नहीं कर सकते पर संभव है कि वे कुछ जरूरतें पूरी कर सकते हों, और यह जानवर के लिए कुछ भी न होने से बेहतर ही होगा। उसने यह बात अपनी घरेलू भाषा में कही, इसलिए मैंने कक्षा के अन्य विद्यार्थियों से पूछा कि क्या वे इसे अंग्रेजी में कहने में उसकी मदद कर सकते हैं। उन लोगों ने मिलकर एक उत्तर तैयार किया।

तब मैंने कक्षा से अपने हाथ उठाने को कहा कि क्या वे सोचते हैं कि केवल उन लोगों को पालतू जानवर रखने की अनुमति होनी चाहिए जो उनकी जरूरतें पूरी कर सकते हैं। अधिकांश विद्यार्थियों ने अपने हाथ उठाए। उन्होंने सोचा कि अगर वे ऐसा नहीं करेंगे तो यह पालतू जानवरों के साथ अन्याय होगा। देवांग सोचता था कि पालतू जानवर परिवार के सदस्यों जैसे होते हैं। मैंने अपने विचार प्रकट करने के लिए उसकी प्रशंसा की और फिर यह बात अंग्रेजी में कहने में उसकी सहायता की। अब मैंने एक और वाक्य जोड़ा:

Pets have unique care and handling requirements. They need _____. They also need ____.

In my opinion, people who can't meet these needs should/should not be allowed to keep them.

I believe this because _____.

अब ब्लैकबोर्ड पर एक मॉडल अनुच्छेद था। मैंने विद्यार्थियों से अनुच्छेद को लिखने और उसे अपनी कल्पनाओं और विचारों से पूरा करने को कहा। जब विद्यार्थी काम कर रहे थे तब किसी भी प्रश्न के उत्तर तक पहुंचने में मदद के लिए और जहाँ मुझसे हो सका गलतियों को सुधारने के लिए मैं कक्षा में घूमती रही। अंत में, प्रत्येक विद्यार्थी ने एक अनुच्छेद लिखा था, और मैंने अधिक आश्वस्त विद्यार्थियों को अधिक लिखने, और अधिक कारण देने के लिए प्रोत्साहित किया। मैंने एक या दो विद्यार्थियों से अपने अनुच्छेद पढ़कर सुनाने को कहा। इसके परिणामस्वरूप पशु कल्याण के बारे में एक काफी दिलचस्प चर्चा हुई। मैंने कभी अपेक्षा नहीं की थी कि विद्यार्थी इतने सारे रोचक विचार प्रस्तुत करेंगे। उन्हें सहायता प्रदान करने से, वे अपने विचारों को अंग्रेजी में व्यक्त करने में सक्षम हो गए थे। इस प्रकार की गतिविधियाँ (मेरे विद्यार्थियों के लेखन को सुधारने में) निश्चित रूप से सहायता कर रही हैं, इसलिए मैं उनका प्रयोग करना जारी रखूँगी। [अपने विद्यार्थियों की सहायता करने पर अधिक जानकारी के लिए, देखें संसाधन 3।]



वीडियो: निगरानी करना और फीडबैक देना

गतिविधि 2: कक्षा में आजमाएं – किसी लंबे पाठ को स्वतंत्र रूप से लिखने में अपने विद्यार्थियों की सहायता करना

यह गतिविधि अधिक लंबा पाठ लिखने में आपके विद्यार्थियों की सहायता करती है। आप इसे किसी भी कक्षा के साथ उपयोग में ला सकते हैं।

1. अपनी पाठ्यपुस्तक से कोई लेखन कार्य चुनें या कोई लेखन कार्य बनाएं। उदाहरण के लिए, आप कोई कहानी अथवा कहानी या अध्याय का सारांश; कोई औपचारिक या अनौपचारिक पत्र; किसी अखबार या पत्रिका से कोई रिपोर्ट या लेख; कोई आवेदन पत्र; किसी चीज के बारे में विचार प्रकट करता कोई अनुच्छेद; या संभवतः कोई वर्णन चुन सकते हैं।
2. कक्षा के सम्मुख, लेखन कार्य करने में आपके विद्यार्थियों की मदद करने के लिए ऊपर वर्णित तकनीकों में से एक का चयन करें। आपके विद्यार्थियों के स्तर और आपके द्वारा चुनी गई तकनीक पर निर्भर करते हुए, आप छूटे हुए शब्दों वाला कोई पाठ, कोई प्रतिमान या कोई लेखन ढाँचा तैयार करेंगे। आप इसे चार्ट पेपर की एक बड़ी शीट पर लिख सकते हैं और उसे ब्लैकबोर्ड पर चिपका सकते हैं, या संभव हो तो उसे कक्षा के सम्मुख ब्लैकबोर्ड पर लिख सकते हैं।
3. अपने विद्यार्थियों से आपके द्वारा मार्गदर्शक के रूप में तैयार किए गए संसाधन का उपयोग करते हुए लेखन कार्य को शुरू करने को कहें। जब विद्यार्थी काम कर रहे हों, तब जरूरत होने पर मदद करने के लिए कमरे में घूमें। अपने विद्यार्थियों को एक समय सीमा दें।
4. जब वे तैयार हो जाएं, तो दो या तीन विद्यार्थियों से अपना काम पढ़कर सुनाने को कहें। शेष कक्षा को सुनकर यह देखना चाहिए कि क्या उन्होंने ऐसा ही कुछ या इससे अलग लिखा है। अन्य विद्यार्थियों से टिप्पणियाँ करने और जोड़ने को कहें।



विचार के लिए रुकें

यहाँ इस गतिविधि का प्रयोग करने के बाद आपके विचार करने के लिए कुछ प्रश्न दिए गए हैं। यदि संभव हो, तो इन प्रश्नों पर किसी सहकर्मी के साथ चर्चा करें।

इस गतिविधि को अपने विद्यार्थियों के साथ प्रयोग करने के बाद, निम्नलिखित प्रश्नों के बारे में सोचें:

- क्या उन्हें यह आसान या कठिन लगा?
- क्या कोई सामान्य गलतफहमियाँ हुईं? यदि ऐसा हुआ था, तो आप भविष्य में उनकी मदद कैसे कर सकते हैं?

याद रखें कि किसी दूसरी भाषा में लिखना कठिन होता है – इसके बारे में इतना सोचना जो पड़ता है! सकारात्मक और प्रोत्साहक बनें, और अपने विद्यार्थियों को बताएं कि लिखने का तरीका सीखने के लिए उन्हें अभ्यास करने की जरूरत पड़ेगी। यदि आपके अधिकांश विद्यार्थियों को कठिनाई हुई, तो अगली बार उन्हें उनकी जरूरत की अधिक भाषा देकर उनकी सहायता करें, और क्या कहना है इस बारे में विचार देकर उनकी मदद करें। आपको इस बारे में अधिक विचार इकाई *समग्र-कक्षा लेखन दिनचर्याएं* में मिल सकते हैं।

4 अपने विद्यार्थियों के लेखन कार्य में सुधार को व्यवस्थित करना

जब विद्यार्थी स्वतंत्र रूप से लिखते हैं, तब वे उससे अधिक गलतियाँ करेंगे जो वे नकल करते समय या याद किए हुए पाठों को लिखते समय करते हैं। आपको लग सकता है कि इसका मतलब यह है कि आपके विद्यार्थी उतनी अच्छी तरह से काम नहीं कर रहे हैं। फिर भी, गलतियाँ करना भाषा को सीखने की प्रक्रिया का स्वाभाविक हिस्सा है और इस बात का संकेत है कि आपके विद्यार्थी भाषा को सीख रहे हैं और आत्मसात कर रहे हैं। आप इन गलतियों का उपयोग अपने विद्यार्थियों की भाषा को सीखने की प्रक्रिया में सहायता करने के अवसर के रूप में कर सकते हैं।

विद्यार्थियों को उनके लेखन पर सकारात्मक और प्रोत्साहक प्रतिक्रिया देने से उन्हें अपने लेखन को सीखने और सुधारने में मदद मिल सकती है। आप सोच सकते हैं कि, आपके सभी विद्यार्थियों के लिखित काम को सुधारना कठिन है, खास तौर पर यदि आपकी कक्षा बड़ी है। आपको लग सकता है कि प्रत्येक विद्यार्थी के काम को देखने के लिए पर्याप्त समय उपलब्ध नहीं है या बहुत सारी अलग अलग गलतियों से निपटने की जरूरत है। ये सब सामान्य समस्याएँ हैं जिनका सामना

शिक्षक करते हैं, चाहे वे किसी भी स्तर के विद्यार्थियों को पढ़ाते हों। फिर भी, ऐसे कुछ तरीके हैं जिनसे आप विद्यार्थियों के काम को जाँचने को अधिक आसान बना सकते हैं:

- याद रखें कि हर बार जब वे लिखें तब हर विद्यार्थी के काम की जाँच करना आपके लिए जरूरी नहीं है। आप कुछ समय में कुछ विद्यार्थियों के काम को सही करने और उसकी समीक्षा करने का निश्चय कर सकते हैं। समय के बीतने के साथ, आपको हर विद्यार्थी के काम को सुधारने और उसकी समीक्षा करने का मौका मिलेगा। आकलन के उद्देश्य से अपने विद्यार्थियों के काम के रिकार्ड रखें।
- यदि लेखन के अभ्यास सरल हैं (उदाहरण के लिए, बोध संबंधी प्रश्नों या व्याकरण के अभ्यासों के लघु उत्तर), आप सही उत्तरों को ब्लैकबोर्ड पर लिख सकते हैं या उन्हें पढ़कर सुना सकते हैं और विद्यार्थी स्वयं अपने या अपने सहपाठी के काम को सही कर सकते हैं। इससे उन्हें अपने स्वयं के लेखन और उन्हें कहाँ सुधार करना है इस बात का बेहतर बोध मिलता है।
- अपने विद्यार्थियों से कभी-कभी जोड़ियों या समूहों में लेखन गतिविधियाँ करवाएं। इसका मतलब है कि विद्यार्थी अपने विचारों को साझा कर सकते हैं, और एक दूसरे की मदद कर सकते हैं। वे कोई पाठ मिलकर लिख सकते हैं, जिसका मतलब है कि आपके जाँचने के लिए काम कम होगा।
- क्योंकि हर विद्यार्थी अलग होता है और उसे कम या अधिक सहायता की जरूरत पड़ सकती है, ऐसी गलतियाँ हो सकती हैं जो आपके विद्यार्थियों के समूह में सामान्य हों — आप इन पर ध्यान देकर उनकी प्रगति में मदद कर सकते हैं। जब आपके विद्यार्थी लिख रहे हों, तब कमरे में घूमें और सामान्य गलतियाँ नोट करें। गलतियों वाले कुछ वाक्य ब्लैकबोर्ड पर लिखें (नाम बताए बिना) और अपने विद्यार्थियों से गलतियों को पहचानने और उन्हें सुधारने को कहें।
- बस कुछ गलतियों पर ध्यान केंद्रित करें — शायद एक बार कालों (Tenses) पर जोर देते हुए और दूसरी बार विराम चिह्नों या व्याकरण पर। आप अपनी समझ के अनुसार जिसे चाहें उसे प्राथमिकता देने का निश्चय कर सकते हैं। अपने विद्यार्थियों को बताएं कि आप किस बात पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं — कोई बात नहीं यदि वे सही करने के लिए अन्य गलतियों की पहचान करते हों। सुनिश्चित करें कि उन्हें पता हो कि आप गलतियों को नज़रअंदाज नहीं कर रहे हैं।
- अपने विद्यार्थियों से उनकी नोटबुकों में उन गलतियों की एक सूची बनवाएं जो वे बार-बार करते हैं। फिर जब भी वे लिखें तब इस सूची में देख सकते हैं। इससे विद्यार्थियों को अधिक स्वतंत्र बनने में मदद मिलती है और उन्हें क्या सुधार करना चाहिए इस बात का बेहतर बोध मिलेगा। यह उन चीजों की एक त्वरित 'जाँचसूची' का काम भी कर सकती है जिन पर उन्हें अपने लेखन में सुधार करने के लिए अधिक ध्यान देने की जरूरत है।
- गलतियों की ओर सकारात्मक रुख बनाए रखें और अपने विद्यार्थियों में इसे बढ़ावा दें। गलतियाँ करने के लिए विद्यार्थियों को दंडित नहीं करें। याद रखें कि नई भाषा में लिखते समय विद्यार्थियों का गलतियाँ करना सामान्य बात है, और गलतियाँ दर्शाती हैं कि वे सीख रहे हैं। अपने विद्यार्थियों को याद दिलाएं कि हर कोई कभी न कभी गलतियाँ करता है — जिसमें आप भी शामिल हैं!
- अपने विद्यार्थियों को जितना अधिक संभव हो स्वतंत्र रूप से लिखने को प्रोत्साहित करें — और उसका आनंद लेने में उनकी मदद करें। उन्हें लिखने में और भी अधिक आनंद आएगा यदि वे देखते हैं कि इससे उन्हें विद्यालय के बाहर के जीवन में मदद मिल सकती है, और यदि उन्हें स्वयं के विचारों को व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। यदि वे अंग्रेजी में लिखने के महत्व को समझ सकें, तो इससे उन्हें अधिक अभ्यास करने और इस तरह अधिक सीखने की प्रेरणा मिलेगी।

गतिविधि 3: अपने विद्यार्थियों के लिखित काम को सुधारना

अपने विद्यार्थियों के लिखित काम को सुधारने के प्रबंधन के लिए आप विविध प्रकार की तकनीकों का उपयोग कर सकते हैं। नीचे दी गई तालिका 1 के समान फार्म का उपयोग करके योजना बनाएं कि आप इसे अगले महीने भर में कैसे करने जा रहे हैं। (इस बारे में फीडबैक के उपयोग को ध्यान में रखते हुए ऐसी कार्यनीतियों के बारे में सोचना चाहिए जो इस बात पर केंद्रित हों कि विद्यार्थी कैसे सुधार कर सकते हैं)।

तालिका 1 अपने विद्यार्थियों के लिखित काम को सुधारना।

कक्षा और अध्याय:				
सप्ताह	सुधारा जाने वाला लिखित काम	मैं इसे कैसे सुधारूँगा?	मैं किसके काम को सुधारूँगा?	इसे कैसे आगे ले जाया जाय?
1				
2				
3				
4				

तालिका 2 में एक पूरे किए गए फार्म का उदाहरण दर्शाया गया है।

तालिका 2 अपने विद्यार्थियों के लिखित काम को सुधारना— पूरा किया गया उदाहरण।

कक्षा और अध्याय:		Class X, <i>Beehive</i> Chapter 5, 'The Snake and the Mirror'		
सप्ताह	सुधारा जाने वाला लिखित काम	मैं इसे कैसे सही करूँगा?	मैं किसके काम को सही करूँगा?	इसे कैसे आगे ले जाया जाय?
1	अध्याय के बारे में प्रश्नों के उत्तर देना विद्यार्थी जोड़ियों में उत्तर लिखते हैं	जब विद्यार्थी लिख रहे हों तब कमरे में घूमें और जितने संभव हो उतने उत्तरों को सही करें सारी कक्षा के साथ सही उत्तरों की समीक्षा करना	मैंने काफी समय से कमरे में पीछे बैठे विद्यार्थियों को नहीं देखा है — मैं उनके काम पर एक नजर डालूँगा	जो विद्यार्थी कठिनाई में लगते हैं उन्हें अतिरिक्त सहायता दें
2	Reported Speech पर व्याकरण का अभ्यास	ब्लैकबोर्ड पर सही उत्तर लिखें विद्यार्थी अपने स्वयं के काम में सुधार करते हैं		विद्यार्थियों को इस बात का बोध होता है कि क्या उन्हें इस क्षेत्र में अधिक काम करने की जरूरत है जिन्हें जरूरत हो उन्हें आगे का अभ्यास सुझाएं
3	जोड़ी में लिखवाना	विद्यार्थी एक दूसरे के काम को सही करने के लिए पाठ्यपुस्तक का उपयोग करते हैं		विद्यार्थी स्पेलिंग की गलतियों को नोट करके उन पर काम करते हैं
4	चित्र के आधार पर कहानी लिखना विद्यार्थी जोड़ियों में कहानियाँ लिखते हैं	दस जोड़ियों से कहानियाँ लें और उन्हें सही करें	नाम: राजू, निमिषा, अब्दुल, आलिया, नीलम, ब्रजेश, सुमन, अशरफ, रवींदर, रीना	विद्यार्थियों को भूत काल के साथ समस्याएं हुईं अगली कक्षा में समीक्षा करें



विचार के लिए रुकें

अपनी योजना का पालन एक महीने तक करने के बाद, इन प्रश्नों के उत्तर दें:

- योजना का पालन करना कितना आसान था? यदि वह आसान नहीं था, तो आप उसे कैसे बदल सकते हैं?
- आप अपने विद्यार्थियों के कितने काम की समीक्षा करने और सही करने में सफल रहे?

इस तरह की योजनाएं बनाना उपयोगी होता है ताकि आपको पता रहे कि आपके विद्यार्थी कब लिखित काम करने जा रहे हैं, और आप विभिन्न विद्यार्थियों के काम की समीक्षा कर सकें। महीनों के बीतने के साथ, आप अपने सारे विद्यार्थियों के काम की समीक्षा और उनकी प्रगति की निगरानी करेंगे। इस तरह आप को और उन्हें दोनों को अपनी शक्तियों और सुधार के लिए क्षेत्रों का बेहतर बोध मिलेगा, और आप देख सकेंगे कि आपको अपने शिक्षण को कहाँ पर केंद्रित करने की जरूरत है। लिखित काम को सही करने, प्रतिक्रिया देने और उसका उपयोग आकलन के प्रयोजनों के लिए करने के बारे में जानकारी के लिए इकाई *निर्माणात्मक आकलन के माध्यम से भाषा सीखने में सहायता करना* देखें।

यदि आपकी योजना ने उस तरह से काम नहीं किया है जैसी आपको उससे उम्मीद थी, तो एक और योजना बनाएं और कुछ अलग तकनीकों का प्रयोग करें — देखें कि आप और आपकी कक्षा के लिए क्या चीज सर्वोत्तम ढंग से काम करती है। महत्वपूर्ण चीज है अपने विद्यार्थियों को यथा संभव सकारात्मक और प्रोत्साहक प्रतिक्रिया देने का प्रयास करते रहना ताकि वे सुधार करना जारी रख सकें।

5 सारांश

पाठों की नकल करने और याद करने से हटकर उन्हें अपने उत्तर और रचनाएं लिखने में आप अपने विद्यार्थियों की मदद कर सकते हैं। बोध संबंधी प्रश्नों के लिए उनके अपने उत्तरों की रचना करने में आप उनकी मदद निम्न तरह से कर सकते हैं:

- उन्हें अपने उत्तरों के बारे में सोचने के लिए समय देकर
- अपने उत्तरों पर चर्चा करके उनकी रचना करने के लिए उन्हें समूहों में काम करने को प्रोत्साहित करके
- ऐसे मॉडल और लेखन ढाँचे प्रदान करके जिन्हें वे अपनी क्षमताओं और आत्मविश्वास के अनुसार ढाल सकते हैं।

अगर वे अपने स्वयं के शब्दों का प्रयोग करके लिखते हैं तो वे अधिक गलतियाँ करेंगे, लेकिन यह सीखने की प्रक्रिया का अंग है। अपने विद्यार्थियों को लिखित काम को प्रबंधन करने के लिए आप अलग अलग कार्यनीतियों का उपयोग कर सकते हैं और उनकी गलतियों को सीखने के अवसरों के रूप में उपयोग में ला सकते हैं।

समय के साथ और अभ्यास से, आपके विद्यार्थी उस आत्मविश्वास और कौशल का विकास करेंगे जिसकी जरूरत अंग्रेजी में स्वतंत्र रूप से पाठों को लिखने के लिए उनको जरूरत पड़ती है।

यदि आप अंग्रेजी में स्वयं अपने लेखन कौशलों का विकास करना चाहते हैं, तो संसाधन 4 देखें। यदि आप लेखन पढ़ाने के बारे में अधिक पढ़ने में रुचि रखते हैं, तो अतिरिक्त संसाधन खंड देखें।

इस विषय पर अन्य माध्यमिक अंग्रेजी शैक्षिक विकास इकाइयाँ ये हैं:

- *अपने लेखन कौशलों को विकसित करने में विद्यार्थियों की मदद करना*. इस इकाई में आप अधिक लंबे पाठ लिखने में विद्यार्थियों की सहायता करने, और अपने लेखन कौशलों को विकसित करने में उनकी मदद करने के तरीकों के बारे में अधिक सीख सकते हैं।
- *निर्माणात्मक आकलन के माध्यम से भाषा सीखने में सहायता करना*. इस इकाई में आप लिखित काम पर प्रतिक्रिया देने और उसका आकलन करने के बारे में सीख सकते हैं।

संसाधन

संसाधन 1: समूहकार्य का उपयोग करना

समूहकार्य एक व्यवस्थित, सक्रिय, अध्यापन कार्यनीति है जो विद्यार्थियों के छोटे समूहों को एक आम लक्ष्य की प्राप्ति के लिए मिलकर काम करने को प्रोत्साहित करती है। ये छोटे समूह संरचित गतिविधियों के माध्यम से अधिक सक्रिय और अधिक प्रभावी अधिगम को बढ़ावा देते हैं।

समूहकार्य के लाभ

समूहकार्य विद्यार्थियों को सोचने, संवाद कायम करने, विचारों का आदान-प्रदान करने और निर्णय लेने के लिए प्रोत्साहित करके सीखने हेतु उन्हें प्रेरित करने का बहुत ही प्रभावी तरीका हो सकता है। आपके विद्यार्थी दूसरों को सिखा भी सकते हैं और उनसे सीख भी सकते हैं: यह जो सीखने का एक बेहद सशक्त और सक्रिय तरीका है।

समूहकार्य में विद्यार्थियों का समूहों में बैठना ही काफी नहीं होता है; इसमें स्पष्ट उद्देश्य के साथ सीखने के साझा कार्य पर काम करना और उसमें योगदान करना शामिल होता है। आपको इस बारे में स्पष्ट होना होगा कि आप सीखने के लिए सामूहिक कार्य का उपयोग क्यों कर रहे हैं और जानना होगा कि यह भाषण देने, जोड़े में कार्य या विद्यार्थियों के स्वयं कार्य करने से बेहतर क्यों है। इस तरह समूहकार्य को सुनियोजित और उद्देश्यपूर्ण होना आवश्यक है।

समूहकार्य का नियोजन करना

आप समूहकार्य का उपयोग कब और कैसे करेंगे यह इस बात पर निर्भर करेगा कि पाठ के अंत में आप अधिगम के किस लक्ष्य को पाना चाहते हैं। आप समूहकार्य को पाठ के आरंभ में, अंत में या बीच में शामिल कर सकते हैं, लेकिन आपको पर्याप्त समय का प्रावधान करना होगा। आपको उस कार्य के बारे में जो आप अपने विद्यार्थियों से पूरा करवाना चाहते हैं और समूहों को नियोजित करने के सर्वोत्तम ढंग के बारे में सोचना होगा।

एक अध्यापक के रूप में, आप समूहकार्य की सफलता सुनिश्चित कर सकते हैं यदि आप निम्न की योजना पहले ही बना लेते हैं।

- सामूहिक गतिविधि के लक्ष्य और अपेक्षित परिणाम
- किसी भी फीडबैक या सारांश कार्य सहित, गतिविधि के लिए आबंटित समय
- समूहों को कैसे विभाजित करना है (कितने समूह, प्रत्येक समूह में कितने छात्र, समूहों के लिए मापदंड)
- समूहों को कैसे नियोजित करना है (समूह के विभिन्न सदस्यों की भूमिका, आवश्यक समय, सामग्रियाँ, रिकार्ड करना और रिपोर्ट करना)
- कोई भी आकलन कैसे किया और रिकार्ड किया जाएगा (व्यक्तिगत आकलनों को सामूहिक आकलनों से अलग पहचानने का ध्यान रखें)
- समूहों की गतिविधियों पर आप कैसे निगरानी रखेंगे।

समूहकार्य के काम

वह काम जो आप अपने विद्यार्थियों से पूरा करने के लिए कहते हैं वह इस पर निर्भर होता है कि आप उन्हें क्या सिखाना चाहते हैं। समूहकार्य में भाग लेकर, वे एक-दूसरे को सुनने, अपने विचारों को समझाने और आपसी सहयोग से काम करने जैसे कौशल सीखेंगे। हालांकि, उनके लिए मुख्य लक्ष्य है जो विषय आप पढ़ा रहे हैं उसके बारे में कुछ सीखना। कार्यों के कुछ उदाहरणों में निम्नलिखित शामिल हो सकते हैं:

- **प्रस्तुतीकरण :** विद्यार्थी समूहों में काम करके शेष कक्षा के लिए प्रस्तुतीकरण तैयार कर सकते हैं। यह सबसे अधिक उपयोगी तब होता है जब प्रत्येक समूह के पास विषय का भिन्न पहलू होता है, जिससे वे एक ही विषय को कई बार सुनने की बजाय एक दूसरे की बात सुनने के लिए प्रेरित होते हैं। प्रस्तुतीकरण करने के लिए प्रत्येक समूह को दिये गये समय के बारे में प्रतिबद्ध रहें। अच्छे प्रस्तुतीकरण के लिए मापदंडों का एक सेट निश्चित करें। इन्हें पाठ से पहले बोर्ड पर लिखें। विद्यार्थी मापदंडों का उपयोग अपने प्रस्तुतीकरण की योजना बनाने और एक दूसरे के काम का आकलन करने के लिए कर सकते हैं। इन मापदंडों में निम्नलिखित शामिल हो सकते हैं:
 - क्या प्रस्तुतीकरण स्पष्ट था?
 - क्या प्रस्तुतीकरण सुसंरचित था?
 - क्या मैंने प्रस्तुतीकरण से कुछ सीखा?
 - क्या प्रस्तुतीकरण ने मुझे सोचने पर मजबूर किया?
- **समस्या को हल करना:** विद्यार्थी किसी समस्या या समस्याओं की एक शृंखला को हल करने के लिए समूहों में काम करते हैं। इसमें विज्ञान का कोई प्रयोग करना, गणित की समस्याएं हल करना, अंग्रेजी कहानी या कविता का विश्लेषण करना, या इतिहास के साक्ष्य का विश्लेषण करना शामिल हो सकता है।
- **कोई कलाकृति या उत्पाद तैयार करना :** विद्यार्थी समूहों में काम करके किसी कहानी, नाटक के भाग, संगीत के अंश, किसी अवधारणा को समझाने के लिए मॉडल, किसी मुद्दे पर समाचार रिपोर्ट या जानकारी का सारांश बनाने या अवधारणा को समझाने के लिए पोस्टर का विकास कर सकते हैं। समूहों को किसी नए विषय के आरंभ में मंथन करने या मस्तिष्क में रूपरेखा बनाने के लिए पाँच मिनट देने से आपको इस बारे में बहुत जानकारी मिलेगी कि उन्हें पहले से क्या पता है, और आपको पाठ को उपयुक्त स्तर पर स्थापित करने में सहायता मिलेगी।
- **विभेदित कार्य:** समूहकार्य विभिन्न आयु या दक्षता स्तरों के विद्यार्थियों को किसी उपयुक्त लक्ष्य हेतु मिलकर काम करने देने का अवसर है। उच्च दक्षता वाले विद्यार्थी काम को समझाने के अवसर से लाभ उठा सकते हैं, जबकि कम दक्षता वाले विद्यार्थियों के लिए कक्षा की बजाय समूह में प्रश्न पूछना अधिक आसान हो सकता है, और वे अपने सहपाठियों से सीखेंगे।
- **चर्चा:** विद्यार्थी किसी मुद्दे पर विचार करते हैं और एक निष्कर्ष पर पहुँचते हैं। इसके लिए आपको अपनी ओर से काफी तैयारी करनी होगी ताकि सुनिश्चित हो सके कि विभिन्न विकल्पों पर विचार करने के लिए विद्यार्थियों के पास पर्याप्त ज्ञान है, लेकिन चर्चा या वाद-विवाद का आयोजन आप के और उन के लिए बहुत उपयोगी हो सकता है।

समूहों का नियोजन करना

चार से आठ के समूह आदर्श होते हैं किंतु यह आपकी कक्षा, भौतिक पर्यावरण और फर्नीचर, तथा आपके विद्यार्थियों की दक्षता और उम्र के दायरे पर निर्भर करेगा। आदर्श रूप से समूह में हर एक के लिए एक दूसरे से मिलना, बिना चिल्लाए बात करना और समूह के परिणाम में योगदान करना आवश्यक होगा।

- तय करें कि आप विद्यार्थियों को समूहों में कैसे और क्यों विभाजित करेंगे; उदाहरण के लिए, आप समूहों को मित्रता, रुचि या समान अथवा मिश्रित दक्षता के अनुसार बाँट सकते हैं। भिन्न तरीकों से प्रयोग करें और समीक्षा करें कि प्रत्येक कक्षा के लिए क्या सर्वोत्तम है।
- योजना बनाएं कि आप समूह के सदस्यों को कौन सी भूमिकाएं देंगे (उदाहरण के लिए, नोट लेने वाला, प्रवक्ता, टाइम कीपर या उपकरणों का संग्रहकर्ता) और आप इसे कैसे स्पष्ट करेंगे।

समूहकार्य का प्रबंधन करना

आप अच्छे समूहकार्य के प्रबंधन के लिए क्रियाकलाप और नियम तय कर सकते हैं। जब आप नियमित रूप से समूहकार्य का उपयोग करते हैं, तो विद्यार्थियों को पता चल जाएगा कि आप क्या अपेक्षा करते हैं और वे कार्य करने में आनन्द का अनुभव करेंगे। टीमों और समूहों में काम करने के लाभों की पहचान करने के लिए आरंभ में कक्षा के साथ काम करना एक अच्छा विचार है। आपको चर्चा करनी चाहिए कि समूहकार्य में अच्छा व्यवहार क्या होता है और संभव हो तो 'नियमों' की एक सूची बनाएं जिसे प्रदर्शित किया जा सकता है; उदाहरण के लिए, 'एक दूसरे के लिए सम्मान', 'सुनना', 'एक दूसरे की सहायता करना', 'एक से अधिक विचार को आजमाना', आदि।

समूहकार्य के बारे में स्पष्ट मौखिक निर्देश देना महत्वपूर्ण है जिसे ब्लैकबोर्ड पर संदर्भ के लिए लिखा भी जा सकता है। आपको:

- अपनी योजना के अनुसार अपने विद्यार्थियों को उन समूहों की ओर निर्देशित करना होगा जिनमें वे काम करेंगे। ऐसा आप शायद कक्षा में उन स्थानों को निर्दिष्ट करके कर सकते हैं जहाँ वे काम करेंगे या किसी फर्नीचर या स्कूल बैगों को हटाने के बारे में अनुदेश देकर कर सकते हैं।
- कार्य के बारे में बहुत स्पष्ट होना चाहिए और उसे बोर्ड पर लघु अनुदेशों या चित्रों के रूप में लिखना चाहिए। अपने शुरू करने से पहले विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने की अनुमति प्रदान करें।

पाठ के दौरान, यह देखने और जाँच करने के लिए घूमें कि समूह किस तरह से काम कर रहे हैं। यदि वे कार्य से विचलित हो रहे हैं या अटक रहे हैं तो जहाँ जरूरत हो वहाँ सलाह प्रदान करें।

आप कार्य के दौरान समूहों को बदल सकते हैं। जब आप समूहकार्य के बारे में आत्मविश्वास महसूस करने लगें तब दो तकनीकों आजमाई जा सकती हैं – वे बड़ी कक्षा को प्रबंधित करते समय खास तौर पर उपयोगी होती हैं:

- **‘विशेषज्ञ समूह’:** प्रत्येक समूह को एक अलग कार्य दें, जैसे विद्युत उत्पन्न करने के एक तरीके पर शोध करना या किसी नाटक के लिए किरदार विकसित करना। एक उपयुक्त समय के बाद, समूहों को इस प्रकार पुनर्गठित करें कि प्रत्येक नया समूह सभी मूल समूहों से एक सदस्य (विशेषज्ञ) से युक्त हो। फिर उन्हें एक कार्य दें जिसमें सभी विशेषज्ञों की जानकारी को एकत्र करना होता है, जैसे निश्चय करना कि किस प्रकार का पॉवर स्टेशन बनाना या नाटक का अंश तैयार किया जाये।
- **‘संदेशवाहक’:** यदि कार्य में कोई चीज बनाना या किसी समस्या को हल करना शामिल है, तो कुछ समय बाद, प्रत्येक समूह से किसी अन्य समूह में एक संदेशवाहक को भेजने के लिए कहें। वे विचारों या समस्या के हलों की तुलना दूसरे समूहों के साथ करके फिर वापस अपने समूह में आ सकते हैं। इस प्रकार, समूह एक दूसरे से सीख सकते हैं।

कार्य के अंत में, जो कुछ सीखा गया है उसका सारांश बनाएं और आपको नजर आई किसी भी गलतफहमी को सुधारें। आप चाहें तो प्रत्येक समूह का फीडबैक सुन सकते हैं, या केवल एक या दो समूहों से पूछ सकते हैं जिनके पास आपको लगता है कि कुछ अच्छे विचार हैं। विद्यार्थियों की रिपोर्ट करने की प्रक्रिया को संक्षिप्त रखें और उन्हें अन्य समूहों के काम पर फीडबैक देने को प्रोत्साहित करें जिसमें वे पहचान सकते हैं कि क्या अच्छा किया गया था, क्या बात दिलचस्प थी और किस बात को और विकसित किया जा सकता था।

यदि आप अपनी कक्षा में समूहकार्य को अपनाना चाहते हैं तो भी आपको कभी-कभी इसका नियोजन कठिन लग सकता है क्योंकि कुछ विद्यार्थी :

- सक्रिय अधिगम का प्रतिरोध करते हैं और उसमें शामिल नहीं होते
- हावी होने वाली प्रकृति के होते हैं
- अंतर्व्यक्तिक कौशलों की कमी या आत्मविश्वास के अभाव के कारण भाग नहीं लेते।

सीखने के परिणाम कहाँ तक प्राप्त हुए और आपके विद्यार्थियों ने कितनी अच्छी तरह से अनुक्रिया की (क्या वे सभी लाभान्वित हुए) इस पर विचार करने के अलावा, समूहकार्य के प्रबंधन में प्रभावी बनने के लिए उपरोक्त सभी बिंदुओं पर विचार करना महत्वपूर्ण होता है। सामूहिक कार्य, संसाधनों, समय या समूहों की रचना में आप द्वारा किए जा सकने वाले समायोजनों पर सावधानी से विचार करें और उनकी योजना बनाएं।

शोध से पता चला है कि विद्यार्थियों की उपलब्धि पर सकारात्मक प्रभाव पाने के लिए समूहों में सीखने का हर समय उपयोग करना आवश्यक नहीं है, इसलिए आपको हर पाठ में उसका उपयोग करने के लिए बाध्य महसूस नहीं करना चाहिए। आप चाहें तो समूहकार्य का उपयोग एक पूरक तकनीक के रूप में कर सकते हैं, उदाहरण के लिए विषय परिवर्तन के बीच अंतराल या कक्षा में चर्चा को अकस्मात् शुरू करने के साधन के रूप में कर सकते हैं। इसका उपयोग विवाद को हल करने या कक्षा में अनुभवजन्य शिक्षण गतिविधियाँ और समस्या का हल करने के अभ्यास शुरू करने या विषयों की समीक्षा करने के लिए भी किया जा सकता है।

संसाधन 2: एक पत्र का नमूना लेखन ढाँचा जिसका उपयोग आप अपने विद्यार्थियों की स्वतंत्र रूप से लिखने में मदद करने के लिए कर सकते हैं

सेवा में

प्रधानाध्यापिका,
डी.डी.बी गर्ल्स हाई स्कूल,
गोलाघाट

दिनांक: 1 जून 2014

विषय: अनुपस्थिति की छुट्टी के लिए अनुरोध

महोदया,

मैं आपको सूचित करना चाहती हूँ कि मैं 28 और 29 मई 2014 को अपनी कक्षाओं में उपस्थित नहीं हो सकी क्योंकि मैं बुखार से ग्रस्त थी। आपके विचार करने के लिए एक चिकित्सा प्रमाणपत्र इस आवेदन पत्र के साथ संलग्न है।

मुझे आशा है आप इन दो दिनों के लिए मुझे अनुपस्थिति की छुट्टी देने की कृपा करेंगी।

भवदीय,

बर्शा दत्ता

रोल नं. 32

कक्षा 9 ए

संसाधन 3: निगरानी करना और फीडबैक देना

विद्यार्थियों का प्रदर्शन सुधारने के लिए सतत अनुश्रवण करने और उन्हें उत्तर देने की ज़रूरत होती है, ताकि वे जान सकें कि उनसे क्या अपेक्षाएं हैं। साथ ही काम पूरा करने के बाद उन्हें फीडबैक भी दें। आपकी रचनात्मक प्रतिक्रिया से वे अपना प्रदर्शन सुधार सकते हैं।

निगरानी करना

प्रभावी शिक्षक अधिकतर अपने विद्यार्थियों की निगरानी करते हैं। आमतौर पर, ज्यादातर शिक्षक विद्यार्थियों की बातें सुनकर और कक्षा में वे क्या कर रहे हैं, इसका अवलोकन करके उनके कार्य की निगरानी करते हैं। विद्यार्थियों की प्रगति की निगरानी करना महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे उन्हें इन कामों में मदद मिलती है:

- ऊंचे ग्रेड हासिल करने में
- अपने प्रदर्शन के बारे में अधिक सजग बनने और अपने सीखने के बारे में ज्यादा जिम्मेदार बनने में
- अपने सीखने में सुधार करने में
- प्रादेशिक और स्थानीय मानकीकृत (Standardised) परीक्षाओं में उपलब्धि का पूर्वानुमान लगाने में।

एक शिक्षक के रूप में आपको भी यह तय करने में मदद मिलेगी कि:

- कब प्रश्न कब पूछना है या कब उत्साहवर्धन करना है।
- कब प्रशंसा करनी है
- कब चुनौती देनी है
- किसी कार्य में विद्यार्थियों के अलग अलग समूहों को कैसे शामिल करना है
- गलतियों के लिए क्या करना है।

जब विद्यार्थियों को उनकी प्रगति के बारे में एक स्पष्ट और त्वरित फीडबैक दिया जाता है तब उनमें सबसे ज्यादा सुधार होता है। निगरानी रखने से आप नियमित रूप से फीडबैक देने में सक्षम होंगे। इससे आपके बच्चों को यह पता चलेगा कि उनका प्रदर्शन कैसा है और अपने अधिगम को बढ़ाने के लिए उन्हें और क्या करना होगा।

आपको जिन चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा, उनमें से एक यह है कि विद्यार्थियों की सहायता किस प्रकार की जाए, जिससे वे स्वयं के सीखने के लक्ष्य निर्धारित कर सकें, इस आत्म-अनुश्रवण भी कहा जाता है। बच्चों को, खासतौर पर उन्हें जिन्हें पढ़ने में कठिनाई हो रही हो, अपने सीखने पर स्वयं नियंत्रण रखने की आदत नहीं होती है। लेकिन आप किसी भी विद्यार्थी की मदद कर सकते हैं, जिससे वे किसी प्रोजेक्ट के लिए अपने लक्ष्य या ध्येय खुद तय कर सकें, अपने कार्य की योजना बना सकें, काम पूरा करने की अंतिम तिथि निर्धारित कर सकें तथा अपनी प्रगति का निरीक्षण खुद कर सकें। इस प्रक्रिया का अभ्यास करने और आत्म निरीक्षण के कौशल में महारत हासिल करने से उन्हें स्कूल के अलावा अपने पूरे जीवन में भी मदद मिलेगी।

विद्यार्थियों की बात सुनना और अवलोकन करना

अधिकांशतः बच्चों को सुनने और उनका अवलोकन करने का काम शिक्षक स्वाभाविक रूप से करते हैं। यह निगरानी करने का एक सरल साधन है। उदाहरण के लिए आप:

- अपने विद्यार्थियों को सस्वर पढ़ते समय सुन सकते हैं
- जोड़ियों में या समूहकार्य में चर्चाओं को सुन सकते हैं
- कक्षा में या बाहर उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करते समय विद्यार्थियों का अवलोकन कर सकते हैं
- जब वे समूह कार्य कर रहे हों, तब उनके हावभाव (body language) का अवलोकन कर सकते हैं।

सुनिश्चित करें कि आप जो अवलोकन एकत्रित करते हैं, वे विद्यार्थी के सीखने या प्रगति के वास्तविक प्रमाण हैं। केवल वही लिखें, जो आप देख सकते हैं, सुन सकते हैं, निर्धारित कर सकते हैं या गिन सकते हैं।

जब विद्यार्थी काम कर रहे हों, तब अपनी कक्षा का चक्कर लगाकर संक्षिप्त अवलोकन टिप्पणियाँ लिखें। आप एक कक्षा सूची का उपयोग करके यह दर्ज कर सकते हैं कि किन-किन विद्यार्थियों को अधिक मदद की ज़रूरत है और यदि कोई गलतफहमी उभर रही है, तो उसे भी दर्ज कर सकते हैं। आप इन अवलोकनों और टिप्पणियों का उपयोग पूरी कक्षा को फीडबैक देने या समूहों या व्यक्तियों को आगे बढ़ाने और प्रोत्साहन देने के लिए कर सकते हैं।

फीडबैक देना

फीडबैक वह जानकारी है, जो आप किसी बच्चे को इस बारे में देते हैं कि एक दिये गये लक्ष्य या अपेक्षित परिणाम के सापेक्ष उन्होंने कैसा प्रदर्शन किया है। प्रभावी ढंग से दिए गए फीडबैक से बच्चों को—

- क्या हुआ है इसकी जानकारी मिलती है
- कोई क्रिया या कार्य कितनी अच्छी तरह किया गया इसका मूल्यांकन पता लगता है
- इस बारे में मार्गदर्शन मिलता है कि उनका प्रदर्शन किस प्रकार सुधारा जा सकता है।

जब आप प्रत्येक विद्यार्थी को फीडबैक देते हैं, तो इससे उन्हें यह जानने में मदद मिलनी चाहिए कि:

- वे वास्तव में क्या कर सकते हैं
- वे अभी क्या नहीं कर सके
- दूसरों की तुलना में उनका काम कैसा है
- वे इसमें सुधार कैसे कर सकते हैं।

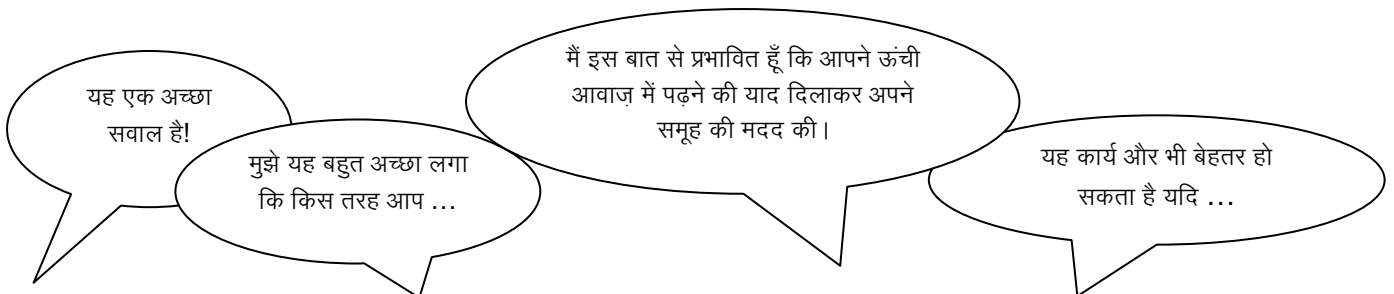
यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि प्रभावी ढंग से दी गई प्रतिक्रिया से विद्यार्थियों को मदद मिलती है। आप नहीं चाहेंगे कि आपका फीडबैक अस्पष्ट या पक्षपाती हो, जिसके कारण विद्यार्थी सीखना बंद कर दें। प्रभावी फीडबैक होता है।

- केंद्रित उन कामों पर, जो किए जा रहे हैं और इस पर कि विद्यार्थी को क्या सीखना होगा
- स्पष्ट और ईमानदार, जो विद्यार्थियों को यह बताता है कि उनके सीखने के तरीके में क्या अच्छा है और किस में सुधार ज़रूरी है
- करने योग्य जो विद्यार्थियों से कुछ ऐसा करने को कहता है, जिसे वे कर पाने में सक्षम हैं
- इस तरह दिया जाता कि उसकी भाषा उपयुक्त हो, ताकि विद्यार्थी उसे समझ सकें
- सही समय पर दिया गया हो — यदि यह बहुत जल्दी दिया जाता है, तो विद्यार्थी को लगेगा कि 'मैं तो बस ये करने ही वाला था!'; अगर बहुत देर से दिया जाए तो विद्यार्थियों का ध्यान कहीं और चला गया होगा और वे वापस जाकर फिर से वह नहीं करना चाहेंगे, जो करने को कहा गया था।

फीडबैक चाहे मौखिक हो, या विद्यार्थियों की वर्कबुक में लिखकर दिया जाए, यदि इसके लिए निम्नलिखित दिशानिर्देशों का पालन किया जाता है, तो यह अधिक प्रभावी बन जाता है।

प्रशंसा और सकारात्मक भाषा का उपयोग करना

जब हमारी प्रशंसा की जाती है और हमें प्रोत्साहित किया जाता है तो आमतौर पर हम उस समय के मुकाबले बेहतर महसूस करते हैं, जब हमारी आलोचना की जाती है या हमारी गलती सुधारी जाती है। सुदृढ़ीकरण और सकारात्मक भाषा समूची कक्षा और सभी उम्र के व्यक्तियों के लिए प्रेरणादायक होती है। याद रखें कि प्रशंसा विशिष्ट और कार्य पर आधारित होनी चाहिए, किसी बच्चे पर आधारित नहीं, अन्यथा इससे बच्चों को प्रगति में मदद नहीं मिलेगी जैसे : 'बहुत बढ़िया' सटीक टिप्पणी नहीं है, इसलिए निम्नलिखित में से कुछ कहना बेहतर होगा:



संकेत देने के साथ-साथ सुधार का उपयोग करना

आप बच्चों के साथ जो बातचीत करते हैं, उससे उन्हें सीखने में मदद मिलती है। यदि आप उन्हें सिर्फ यह बताते हैं कि कोई उत्तर गलत है और बात वहीं खत्म कर देते हैं, तो सोचने और कोशिश करने में उनकी मदद करने का मौका गँवा देंगे। यदि आप बच्चों को कोई संकेत देते हैं और उनसे आगे भी प्रश्न पूछते हैं, तो इससे आप उन्हें ज्यादा गहराई से सोचने के लिए प्रोत्साहित करते हैं, साथ ही उन्हें उत्तर ढूँढने तथा खुद के अधिगम की जिम्मेदारी उठाने के लिए प्रेरित करते हैं। उदहारण के लिए, आप इस तरह की बातें बोलकर एक बेहतर उत्तर के लिए प्रोत्साहन दे सकते हैं या समस्या के किसी अलग पहलू की तरफ संकेत कर सकते हैं:



विद्यार्थियों को एक दूसरे की मदद करने के लिए प्रोत्साहित करना भी अच्छा तरीका हो सकता है। ऐसा करने के लिए आप बाकी की कक्षा से अपने सवाल पूछने से पहले कुछ इस तरह की टिप्पणियां कर सकते हैं।



‘हाँ’ या ‘नहीं’ कहकर विद्यार्थियों के उत्तर सुधारना स्पेलिंग या संख्या अभ्यास जैसे कार्यों के लिए उपयुक्त हो सकता है, लेकिन इसके बावजूद यहाँ आप विद्यार्थियों को उनके उत्तरों में उभरने वाले पैटर्न देखने, उसी तरह के उत्तरों के साथ संबंध जोड़ने या इस बारे में चर्चा करने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं कि कोई विशिष्ट उत्तर क्यों गलत है।

अपने काम को खुद सुधारने का या किसी साथी द्वारा सुधार किए जाने का प्रभाव ज्यादा पड़ता है। आप जोड़ियों में काम कर रहे बच्चों को अपना खुद का काम और दूसरों के काम जाँचने को कहकर उन्हें इसके लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं। एक बार में एक पहलू को सुधारने पर ध्यान केंद्रित करना सबसे अच्छा है ताकि बहुत ज्यादा जानकारी के कारण भ्रम की स्थिति न उत्पन्न हो जाए।

संसाधन 4: स्वयं अपनी अंग्रेजी का विकास करें

आपके अपने लेखन कौशलों को विकसित करने के लिए यहाँ कुछ सुझाव प्रस्तुत हैं:

- जितनी संभव हो उतनी अधिक अंग्रेजी पढ़ें। अच्छे लेखक अक्सर अच्छे पाठक भी होते हैं! यथासंभव अधिक पढ़ना अपनी शब्दावली और भाषा के उपयोग को विकसित करने में आपकी मदद करेगा।
- आपसे जितना अधिक संभव हो उतना अंग्रेजी में लिखें – खरीददारी की सूचियाँ, डायरियाँ, नोट्स – जो भी आपसे हो सके। इससे लेखन में आत्मविश्वास विकसित करने में आपको मदद मिलेगी, और आप धारा प्रवाह अंग्रेजी बोल सकेंगे।
- याद रखें कि जब आप कुछ लिखते हैं तो अपना समय ले सकते हैं। आप जितने चाहें उतने मसौदे लिख सकते हैं, और अपने स्वयं के काम को दोहरा सकते हैं व उसका संशोधन कर सकते हैं।

और अपने लिखित काम को अपने समकक्षों के साथ साझा करना न भूलें। प्रतिक्रिया प्राप्त करना हमेशा एक अच्छा विचार होता है।

अतिरिक्त संसाधन

- Articles on writing: <http://www.teachingenglish.org.uk/articles/writing>
- 'Writing matters: getting started' by Adrian Tennant: <http://www.onestopenglish.com/skills/writing/writing-matters/writing-matters-getting-started/154745.article>
- 'Effective writing across the curriculum': <http://orelt.col.org/module/unit/4-effective-writing-across-curriculum>

संदर्भ/संदर्भग्रंथ सूची

National Council of Educational Research and Training (2006a) *Beehive: Textbook in English for Class XI*, National Council of Educational Research and Training. Available from:

<http://www.ncert.nic.in/NCERTS/textbook/textbook.htm> (accessed 16 September 2014).

National Council of Educational Research and Training (2006b) *Honeydew: Textbook in English for Class VIII*, National Council of Educational Research and Training. Available from:

<http://www.ncert.nic.in/NCERTS/textbook/textbook.htm> (accessed 16 September 2014).

अभिस्वीकृतियाँ

यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरएलाइक लाइसेंस (<http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/>) के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है, जब तक कि अन्यथा की पहचान न हो। यह लाइसेंस TESS-India, OU और UKAID लोगो के उपयोग को वर्जित करता है, जिनका उपयोग केवल TESS-India परियोजना के भीतर अपरिवर्तित रूप से किया जा सकता है।

कॉपीराइट के स्वामियों से संपर्क करने का हर प्रयास किया गया है। यदि किसी को अनजाने में अनदेखा कर दिया गया है, तो पहला अवसर मिलते ही प्रकाशकों को आवश्यक व्यवस्थाएं करने में हर्ष होगा।

वीडियो (वीडियो स्टिल्स सहित): भारत भर के उन अध्यापक शिक्षकों, मुख्याध्यापकों, अध्यापकों और विद्यार्थियों के प्रति आभार प्रकट किया जाता है जिन्होंने उत्पादनों में दि ओपन यूनिवर्सिटी के साथ काम किया है।